चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद

Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Hari bhoomi **Date: 17-12-2022**

देवीलाल हर वर्ग, समुदाय के उत्थान के लिए संघर्षशील रहे: चौटाला

■ सीआरएसयू में हुआ चौधरी देवीलाल की विरासत विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ›› जींद

पूर्व सांसद अजय चौटाला ने कहा कि स्व. चौधरी देवीलाल अपने आप में एक संस्था है। वो समाज के प्रत्येक वर्ग, समुदाय के उत्थान के लिए सदैव संघर्षशील रहते थे। जनहित के कार्यों को कानूनी रूप से अमलीजामा पहनाने का कार्य चौधरी देवीलाल ने किया। पूर्व सांसद अजय चौटाला शुक्रवार को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में चौधरी देवीलाल की विरासत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी का आयोजन फैकल्टी ऑफ सोशल साइंस द्वारा किया गया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा सिखाने के लिए उत्सुक रहते थे। जनहित के कार्यों को कानूनी रूप से अमलीजामा पहनाने का कार्य चौधरी देवीलाल ने किया है। चौधरी देवी लाल जो कहते थे उसको कानूनी तौर पर लागू भी करते थे। घुमंतू जाति के बच्चों की पढ़ाई के लिए एक रुपये की छात्रवृत्ति योजना, किसान ऋण माफ करना, बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन इत्यादि जनहितकारी कार्यों के लिए चौधरी देवी लाल सदैव अमर रहेंगे।

देवी लाल बहुत ही उदार व्यक्तित्व के धनी थे : शास्त्री

पूर्व कृषि मंत्री सोमपाल शास्त्री ने कहा कि चौधरी देवी लाल बहुत ही उदार व्यक्तित्व के धनी थे। जब उन्होंने चौधरी देवीलाल को प्रधानमंत्री पद के लिए चुना गया था तो उस समय चौधरी देवीलाल ने कहा था लोग मुझे ताऊ कहते हैं और मैं ताऊ के रूप में ही रहना चाहता और मैं यह पद चौधरी सिंह को सौंपता हूं। चौधरी देवी लाल अग्रिम योद्धा, महान समाज सुधारक थे उन्हें धन और पद की लालसा नहीं थी अपितु जनहित के लिए वे सदैव कर्मशील रहते थे। एकरूपता की सौहार्दिक दर्जा दिलाने के लिए वे संकल्पित थे।

जींद। मंच पर मौजूद पूर्व सांसद अजय चौटाला व सीआरएसयू वीसी डा. रणपाल सिंह। फोटो : हरिभूमि

चौधरी देवी लाल का लोक कल्याणकारी कार्यों में अतुलनीय योगदान : वीसी

सीआरएसयू विश्वविद्यालय के कुलपति डा. रणपाल सिंह ने कहा कि स्व. चौधरी देवी लाल का लोक कल्याणकारी कार्यों में अतुलनीय योगदान रहा है। उनकी समाज कल्याण की भावना को हम उनकी पेंशन योजना से देख सकते हैं। तत्कालीन समय में अनेक ऐसी दुविधाएं थी जिसके कारण पेंशन योजना लागू होना बड़ा ही कठिन था लेकिन चौधरी देवीलाल ने अपनी कलम से यह लोक कल्याणकारी कार्य किया था जो वर्तमान समय में पूर्ण अवस्था में चौधरी देवी लाल को अमर बनाए हुए है।

अजय सिंह चौटाला ने कहा कि चौधरी देवीलाल को सच्ची श्रद्धांजलि हम तभी दे सकते हैं जब उनके दिखाए रास्ते पर चलेंगे तथा जनकल्याण के लिए बढ़ चढ़कर आगे आएंगे।

चौधरी देवीलाल एक महान समाज सुधारक थे

संगोष्ठी के संयोजक डा. सुनील फोगाट ने कहा कि चौधरी देवीलाल एक महान समाज सुधारक, कुशल राजनेता एवं प्रमुख समाजसेवी थे। स्वाधीनता आंदोलन और हरियाणा निर्माण में उनकी भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी। वक्ता रणसिंह मान ने कहा कि चौधरी देवीलाल दूरदर्शी सोच के धनी थे। किसान मजदूर, निर्धन, असहाय के सच्चे हितैषी थे। कैप्टन अमनदीप सिहाग ने कहा कि चौधरी देवीलाल समाज कल्याण की दूरदर्शी सोच के स्वामी थे। संगोष्ठी के प्रथम सत्र में धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन ने किया। संगोष्ठी के समापन समारोह में देवीलाल की विरासत विषय पर अनेक विद्वानों ने अपने विचार रखे और प्राध्यापक एवं लगभग 150 शोधार्थियों ने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए।

इस संगोष्ठी में चार तकनीकी सत्र रहे। संगोष्ठी के समापन सत्र में धन्यवाद ज्ञापन डिन एकेडमिक अफेयर्स प्रोफेसर एसके सिन्हा ने किया।

Public Relations Office

Newspaper: DAINIK BHASKAR **Date: 17-12-2022**

चौधरी देवीलाल अपने आप में एक संस्था : डॉ. अजय चौटाला

भास्कर न्यूज़ | जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में चौधरी देवीलाल की विरासत विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन फैक्ल्टी ऑफ सोशल साइंस द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व एमपी डॉ. अजय सिंह चौटाला ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल अपने आप में एक संस्था थे जिनके बारे में जितना कहा जाए उतना कम है। वह हमेशा सिखाने के लिए उत्सुक रहते थे। समाज के प्रत्येक वर्ग, समुदाय के उत्थान के लिए चौधरी देवी लाल सदैव संघर्षशील रहते थे। जनहित के कार्यों को कानूनी रूप से अमलीजामा पहनाने का कार्य देवीलाल ने किया। घुमंतू जाति के बच्चों की पढ़ाई के लिए एक रुपए की छात्रवृत्ति योजना, किसान ऋण माफ करना, बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन इत्यादि जनहितकारी कार्यों के लिए देवीलाल सदैव अमर रहेंगे। चौटाला ने कहा कि देवीलाल को सच्ची श्रद्धांजलि हम तभी दे सकते हैं जब उनके दिखाए रास्ते पर चलेंगे तथा जन कल्याण के लिए बढ़-चढ़कर आगे आएंगे। संगोष्ठी में वक्ता पूर्व कृषि मंत्री भारत सरकार सोमपाल शास्त्री ने कहा कि चौधरी देवी लाल बहुत ही उदार व्यक्तित्व के धनी थे। सर्वसम्मति से देवीलाल को प्रधानमंत्री पद के लिए चुना गया था तो उस समय देवीलाल ने कहा था लोग मुझे ताऊ कहते हैं और मैं ताऊ के रूप में ही रहना चाहता हूं। मैं यह पद वीपी सिंह को सौंपता हूं। वे सरल एवं साधारण व्यक्तित्व के धनी थे। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता प्रोफेसर रणबीर ने कहा कि किसान सम्मेलन और किसान आंदोलन में देवीलाल की भूमिका अहम थी। इतनी कम उम्र में देवीलाल राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल हुए शायद ही कोई अन्य नेता इतनी कम उम्र में राष्ट्रीय आंदोलन में शामिल हुआ होगा।

संबोधित करते अजय चौटाला।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद

Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 17-12-2022**

चौ. देवीलाल एक संस्था, हर वर्ग के उत्थान के लिए संघर्षशील रहे : अजय

जागरण संवाददाता, जींद : चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में चौ. देवीलाल की विरासत विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन वीसी डा. रणपाल सिंह के मार्गदर्शन में सामाजिक विज्ञान फैकल्टी द्वारा किया गया। मुख्यातिथि पूर्व संसद एवं जजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला ने संबोधित करते हुए कहा कि चौ. देवीलाल अपने आप में एक संस्था हैं, जिनके बारे में जितना कहा जाए, उतना कम है। वह हमेशा सिखाने के लिए उत्सुक रहते थे। समाज के प्रत्येक वर्ग, समुदाय के उत्थान के लिए हमेशा संघर्षशील रहते थे। जनहित के कार्यों को कानूनी रूप से अमलीजामा पहनाने का कार्य चौ. देवीलाल ने किया है। वे जो कहते थे, उसको कानूनी तौर पर लागू भी करते थे। घुमंतू जाति के बच्चों की पढ़ाई के लिए एक रुपये की छात्रवृत्ति योजना, किसान ऋण माफ करना, बुढ़ापा पेंशन जैसे जनहितकारी कार्यों के लिए उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि हम तभी दे सकते हैं, जब उनके दिखाए रास्ते पर चलेंगे और जन कल्याण के लिए बढ़-चढ़कर आगे आएंगे। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री सोमपाल शास्त्री ने चौ. देवीलाल के जीवन से जुड़ी बातें साझा करते हुए कहा कि वे बहुत ही उदार व्यक्तित्व के धनी थे। सर्वसम्मति से देवीलाल को प्रधानमंत्री पद के लिए चुना गया था। तब उन्होंने कहा था कि लोग मुझे ताऊ कहते हैं और मैं ताऊ के रूप में ही रहना चाहता हूं। इसलिए यह पद वीपी सिंह को सौंपते हैं। उन्हें धन और पद की लालसा नहीं थी। बल्कि जनहित के लिए वे सदैव कर्मशील रहते थे। एमएसपी को संवैधानिक दर्जा दिलाने के लिए वे संघर्षरत थे। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता प्रो. रणबीर सिंह ने कहा कि किसान सम्मेलन और किसान आंदोलन में चौधरी देवीलाल की भूमिका अहम थी। देवीलाल के बड़े भाई के पौत्र कैप्टन अमनदीप सिहाग ने कहा कि देवीलाल समाज कल्याण की दूरदर्शी सोच के स्वामी थे। उन्होंने किसानों, मजदूरों की दशा को प्रत्यक्ष रूप से देखा और उनके हक के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे। वीसी डा. रणपाल सिंह ने कहा कि देश की आजादी और उसके बाद राजनीति में चौ. देवीलाल का जो योगदान रहा है तथा हर वर्ग के कल्याण के लिए जो काम किए। उसकी जानकारी नई पीढ़ी को भी मिले, जिससे प्रेरित होकर वे भी आगे बढ़कर समाज के लिए योगदान दें, इसलिए ये कार्यक्रम आयोजित किया गया। चौ. देवीलाल के जीवन व राजनीतिक योगदान को लेकर 150 से ज्यादा रिसर्च पेपर आए हैं, जिन्हें किताब का रूप दिया जाएगा।

सीआरएसयू में कार्यक्रम के दौरान डा. अजय चौटाला, साथ में वीसी डा. रणपाल सिंह। ● विज्ञप्ति

किसानों की आवाज उठानी चाहिए थी

मुख्य वक्ता पूर्व मुख्य संसदीय सचिव रणसिंह मान ने कहा कि चौ. देवीलाल दूरदर्शी सोच के धनी थे और किसान, मजदूर, निर्धन, असहाय के सच्चे हितैषी थे। किसानों के हित को लेकर वे अपनी सरकार से भी टकरा जाते थे। जजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला की तरफ देखते हुए उन्होंने कहा कि तीन कृषि कानूनों को लेकर जो किसान आंदोलन हुआ, उसमें सरकार में साझीदार होते हुए सही से किसानों का पक्ष नहीं उठाया गया।

****

Newspaper: Amar ujala **Date: 17-12-2022**

प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए सदैव संघर्षशील रहे देवी लाल : डॉ. अजय

सीआरएसयू में चौधरी देवीलाल की विरासत पर किया गया संगोष्ठी का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। सीआरएसयू में शुक्रवार को पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की विरासत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें 150 शोध पत्र शामिल हुए। इसके मुख्यातिथि जजपा के राष्ट्रीयाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला रहे। इस दौरान जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि देवी लाल ने प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए सदैव संघर्षशील रहे।

संगोष्ठी का आयोजन फैकल्टी ऑफ सोशल साइंस की ओर से किया गया। इसमें जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि चौधरी देवी लाल अपने आप में एक संस्था हैं। वह समाज के प्रत्येक वर्ग, समुदाय के उत्थान के लिए सदैव संघर्षशील रहते थे। जनहित के कार्यों को कानूनी रूप से अमलीजामा पहनाने का कार्य चौधरी देवी लाल ने किया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा सिखाने के लिए उत्सुक रहते थे। जनहित के कार्यों

जजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सिंह चौटाला को स्मृति चिह्न देते। संवाद

को कानूनी रूप से अमलीजामा पहनाने का कार्य चौधरी देवी लाल ने किया है। चौधरी देवी लाल जो कहते थे उसको कानूनी तौर पर लागू भी करते थे।

घुमंतू जाति के बच्चों की पढ़ाई के लिए एक रुपये की छात्रवृत्ति योजना, किसान ऋण माफ करना, बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन इत्यादि जनहितकारी कार्यों के लिए उन्हें याद किया जाता रहेगा। कहा कि चौधरी देवीलाल को सच्ची श्रद्धांजलि हम तभी दे सकते हैं, जब उनके दिखाए रास्ते पर चलेंगे। पूर्व कृषि मंत्री सोमपाल शास्त्री ने कहा कि चौधरी देवी लाल बहुत ही उदार व्यक्तित्व के धनी थे। चौधरी देवी लाल अप्रितम योद्धा, महान समाज सुधारक थे।

सीआरएसयू विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि चौधरी देवी लाल का लोक कल्याणकारी कार्यों में अतुलनीय योगदान रहा है। उनकी समाज कल्याण की भावना को हम उनकी पेंशन योजना से देख सकते हैं।

समाज सुधारक और कुशल राजनेता थे चौधरी देवी लाल

संगोष्ठी के संयोजक डा. सुनील फौगाट ने कहा कि चौधरी देवी लाल समाज सुधारक, कुशल राजनेता एवं प्रमुख समाजसेवी थे। स्वाधीनता आंदोलन और हरियाणा निर्माण में उनकी भूमिका सदैव स्मरणीय रहेगी। रण सिंह मान ने कहा कि चौधरी देवीलाल दूरदर्शी सोच के धनी थे। किसान मजदूर, निर्धन, असहाय के सच्चे हितैषी थे। कैप्टन अमनदीप सिहाग ने कहा कि चौधरी देवीलाल समाज कल्याण की दूरदर्शी सोच के स्वामी थे। धन्यवाद ज्ञापन विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रोफेसर लवलीन मोहन ने किया। संगोष्ठी के समापन समारोह में देवीलाल की विरासत विषय पर अनेक विद्वानों ने अपने विचार रखें और प्राध्यापक एवं लगभग 150 शोधार्थियों ने शोध पत्र भी प्रस्तुत किए।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Newspaper:Punjab kesri **Date: 17-12-2022**

प्रत्येक वर्ग हित के लिये संघर्षशील रहते थे चौ. देवीलाल:अजय चौटाला

जींद,संजय शर्मा(पंजाब केसरी): चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद में चौधरी देवीलाल की विरासत विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन फैकल्टी ऑफ सोशल साइंस द्वारा किया गया। इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व सांसद डॉ. अजय सिंह चौटाला ने शिरकत की। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि चौधरी देवी लाल का लोक कल्याणकारी कार्यों में अतुलनीय योगदान रहा है। चौ. देवीलाल की समाज कल्याण की भावना को हम उनकी पेंशन योजना से देख सकते है तत्कालीन समय में अनेक ऐसी चुनौतियां थी जिसके कारण पेंशन योजना लागू होना बड़ा ही कठिन था लेकिन चौ. देवीलाल ने अपनी कलम से यह लोक कल्याणकारी कार्य किया था जो वर्तमान समय में पूरे भारतवर्ष में चौ. देवी लाल को अमर बनाए हुए है जब भी पेंशन का जिक्र आता है तभी चौधरी देवीलाल जी का नाम जन-जन के मुख पर होता है। मुख्य अतिथि डॉ. अजय सिंह चौटाला ने इस मौके पर कहा कि चौ. देवीलाल अपने आप में एक संस्था थे जिनके बारे में जितना कहा जाए, उतना कम है। वह हमेशा सिखाने के लिए उत्सुक रहते थे। समाज के प्रत्येक वर्ग,समुदाय के उत्थान के लिए चौधरी देवी लाल सदैव संघर्षशील रहते थे। जनहित के कार्यों को कानूनी रूप से अमलीजामा पहनाने

का कार्य चौ. देवीलाल ने किया है। चौ. देवी लाल जो कहते थे उसको कानूनी तौर पर लागू भी करते थे। घुमंतू जाति के बच्चों की पढ़ाई के लिए एक रुपए की छात्रवृत्ति योजना, किसान ऋण माफ करना, बुढ़ापा पेंशन, विधवा पेंशन इत्यादि जनहितकारी कार्यों के लिए चौधरी देवी लाल जी सदैव अमर रहेंगे। अजय सिंह चौटाला ने कहा कि चौ. देवीलाल को सच्ची श्रद्धांजलि हम तभी दे सकते हैं जब उनके दिखाए रास्ते पर चलेंगे तथा जन कल्याण के लिए बढ़-चढ़कर आगे आएंगे। संगोष्ठी में पूर्व केंद्रीय मंत्री सोमपाल शास्त्री ने कहा कि चौ. देवी लाल को सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री पद के लिए चुना गया था तो उस समय चौ. देवीलाल ने कहा था लोग मुझे ताऊ कहते हैं और मैं ताऊ के रूप में ही रहना चाहता। इसलिए मैं यह पद वी.पी सिंह को सौंपता हूँ। चौधरी देवी लाल अप्रितम योद्धा,महान समाज सुधारक थे। मन,वाणी और कर्म से श्रेष्ठ थे। किसान हितैषी इतने अधिक थे कि स्वयं खेती का अवलोकन करते थे। मुख्य वक्ता चौधरी रणसिंह मान ने अपने वक्तव्य में कहा कि चौ. देवीलाल दूरदर्शी सोच के धनी थे। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. सुनील फौगाट ने संगोष्ठी की प्रासंगिक पर विस्तारपूर्वक टिप्पणी करते हुए कहा कि चौ. देवीलाल एक महान समाज सुधारक, कुशल राजनेता एवं प्रमुख समाजसेवी थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल गुमला

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय के ई निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 15/2022-23 पी० आर० संख्या-281220 द्वारा विभिन्न दैनिक समाचार पत्रों में प्रकाशित 28 अदद SVS Cluster योजना के ई० निविदा में निम्न प्रकार से शुद्धि पत्र प्रकाशित की जाती है–

1	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि :-	26-12-2022, 02.00 बजे अपराह्न तक।
2	प्री बीड मीटिंग की तिथि :-	29-12-2022 ,12.30 अपराहन में अभियन्ता प्रमुख, का कार्यालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखंड नेपाल हाउस राँची।
3	05	05-1-2023, 5.00 बजे अपराहन तक।
4	बैंक गारंटी एवं परिमाण विपत्र का मूल्य जमा करने की अन्तिम तिथि, समय एवं स्थान :-	06-01-2023, 5.00 बजे अपराहन तक, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल गुमला अधीक्षण अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता अंचल गुमला क्षेत्रीय मुख्य अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्र० राँची
[illegible]	[illegible]	[illegible]

पंजाब केसरी Sat, 17 December 2022
https://mpaper.punjabkesari.com/c/71160488